मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MVS–011

वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पी. जी. डी. वी. एस.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2024
एम.वी.एस.-011 : वास्तुशास्त्र का स्वरूप एवं इतिहास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड–क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।* 3×20=60

1. वास्तुशास्त्र को परिभाषित करते हुए विस्तार से वास्तुशास्त्र का परिचय लिखिए।
2. वास्तु के प्रकारों का वर्णन कीजिए।
3. वास्तु एवं ज्योतिष के सम्बन्ध की विस्तृत विवेचना कीजिए।
4. वैदिककालीन वास्तुशास्त्र का वर्णन कीजिए।

5. तन्त्र एवं आगम में प्राप्त वास्तुशास्त्रीय तत्वों का वर्णन कीजिए।

6. भारतीय वास्तुकला का विस्तार से वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।* $4 \times 10 = 40$

1. संक्षप में वास्तु की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

2. वास्तुशास्त्र के आधारभूत सिद्धान्तों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

3. वास्तु की आचार्य परम्परा का उल्लेख कीजिए।

4. वास्तु के प्रवर्तकों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

5. वास्तुशास्त्र में पंचमहाभूतों के स्थान का निरूपण कीजिए।

6. वास्तुशास्त्र के कुछ मानक ग्रन्थों का वर्णन कीजिए।

7. अर्थशास्त्र में प्राप्त वास्तुशास्त्र के तत्वों का उल्लेख कीजिए।

8. वास्तु के सन्दर्भ में काल की अवधारणा का वर्णन कीजिए।